Plan for Professionalisation of Large Industrial houses

1570. SHRI AMAR ROY PRADHAN:

SHRI SURENDRA BIKRAM:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is proposed to convene a three-tier dialogue with industry to chalk out future plans for professionalisation of large industrial houses and find a solution to the problem of concentration of economic power; and

(b) if so, the guidelines in this respect and steps if any, taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) Yes, Sir.

(b) It is not proposed to draw up any guidelines at this stage:

Replacement of Canberra and Hunter by Modern Strike Aircraft

1571. SHRI AMAR ROY PRADHAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government propose to replace Canberra and Hunter by more modern strike aircraft; and

(b) if so, the details thereof; and the reasons therefor?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) Yes, Sir.

(b) Canberras and Hunters, which were introduced in the fifties, have become old and are proposed to be replaced by new aircraft. Three alternative types to replace the old aircraft were recently evaluated by a high-level team and their report has been submitted to Government.

हैदराबाद को उप राजधानी घोषित करना

1572. **श्री केशव राव धोंडगे :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत की विशालता और विभिन्नता को ध्यान में रखते हुए सरकार का विचार दक्षिण भारत में हैदराबाद को देश की उप-राजधानी घोषित करने का है ;

(ख) यदि हां, तो कब ;

(ग) क्या इस आशय की मांग पहले भी की गई थी; और

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मण्डल): (क) जी नहीं, श्रीमान ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) फिलहाल पिछले दिनों में सरकार को ऐसी कोई मांग प्राप्त हुई प्रतीत नहीं होती है ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए दूरदर्शन सुविधाएं

1573. **श्री केशव राव धोंडगे :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के ग्रामीण क्षेत्रों में जनता को दूरदर्शन सुविधाओं का लाभ देने के लिए सरकार की क्या योजना है; और

(ख) तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और यह योजना कब तक क्रियान्वित की जाएगी और इस पर कितनी धनराशि खर्च होने की संभावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) और (ख). फिलहाल दूरदर्शन 447.80 लाख ग्रामीण जनसंख्या के लिए सेवा प्रदान करता है। लखनऊ और दिल्ली में स्थायी टावरों के मुकम्मल होने तथा जालन्धर और कानपुर में ट्रांसमीटरों के लगने के बाद दूरदर्शन सेवा 566.30 लाख जन संख्या के लिए प्रदान किए जाने की उम्मीद है। छठी योजना (1978-83), जिसके लिए 50 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, ये तीन केन्द्र अहमदाबाद, बंगलौर और त्रिवेन्द्रम में तथा 8 रिले केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। उम्मीद है इनसे ग्रामोण क्षेत्रों में सेवा में पर्याप्त वृद्धि होगी।

Demand for a Separate Jharkhand State

1574. SHRI K. PRADHANI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Adivasis are up in revolt against the Government to press their demand for a separate Jharkhand State;

(b) whether it is also a fact that groups of Adivasis have started raiding block offices in remote rural areas to paralyse their functioning and in two blocks of Ranchi district, Khunti and Karra, Government had to remove the two block development officers in the month of May, 1978 because of their agitation; and

(c) if so, the details regarding their demand and the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) to (c). The demand for formation of a Jharkhand State is an old demand and the areas suggested for inclusion therein have been differing at different times. Though there have lately been certain incidents showing militancy, there is no report to indicate that the adivasis are "up in revolt against the Government". However, as has already been stated the Government do not consider the present to be the opportune time for taking up the question of reorganisation of any States.

महाराष्ट्र में बैलून

1575. **श्री केशव राव धोंडगे** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या महाराष्ट्र के नांदेड जिले में श्री क्षेत्र माहूर के पास परशुराम मंदिर की पहाड़ी की ओर 12 जून, 1978 को एक बड़ा बैलून पाया गया था जिस में चीनी व्यक्तियों की फोटो, चीनी भाषा में लिखे पैम्फलेट और प्लास्टिक टाइप पेटियां मिली थीं; और

(ख) यदि हां, तो राज्य सरकार और केन्द्रीय सरकार ने इस बारे में क्या जांच की है और इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मण्डल): (क) और (ख). उपलब्ध सूचना के अनुसार, 12 जून, 1978 को महाराष्ट्र में ग्राम महूर, तहसील किनवट जिला नांदेड के निकट पुलिस ने पालीथीन का एक गुब्बारा जिस में सफेद फोम का एक सन्दूक था जिस पर चीनी भाषा में कुछ लिखा था और चीनी भाषा में लिखे कुछ इश्तहार पकड़े थे। ऐसे गुब्बारे जिन में चीनी जनगण राज्य म सरकार के खिलाफ़ चीनी भाषा में के० एम०टी० प्रचार सामग्री रहती है भारत के अन्य भागों में भी पाए गए हैं और वे सम्भवतः हवाओं के प्रतिकूल प्रभाव के कारण इत्तफाक से अपने अभीष्ट मार्ग से घूम गए है।